International Journal of Advance and Applied Research
www.ijaar.co.in
ISSN – 2347-7075 Impact Factor – 8.141
Peer Reviewed Bi-Monthly
Vol. 7 No. 2 January – February - 2026

हिंदी शिक्षा में डिजिटल उपकरणों का प्रयोग

डॉ. दिपाश्री कैलास गडाख

सहाय्यक प्राध्यापिका,

सहकार महर्षी भाऊसाहेब संतूजी थोरात कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय संगमनेर, ता.संगमनेर, जि.अहिल्यानगर.

Corresponding Author – डॉ. दिपाश्री कैलास गडाख

DOI - 10.5281/zenodo.18654508

आज जनसंचार मानव जीवन की आवश्यकता है क्योंकि संपूर्ण विश्व जनसंचार माध्यम और डिजिटल उपकरणों पर टिका हुआ नजर आता है। यह जनसंचार का ही जादू है जिसने विश्व को एक ग्लोबल विलेज बनाया है। आज संचार माध्यमों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता बल्कि जिस देश के संचार माध्यम जितने अधिक विकसित है उनकी संचार प्रणाली जितनी अधिक सक्षम है वह देश सक्षम है। तथा विश्व को अपनी मुट्ठी में बांधने की चेष्टा कर सकता है। संचार माध्यमों के विकास के कारण ही आज विश्व भर में भारत की पहचान एक भारती अर्थ सत्ता के रूप में बनी हुई है। संचार माध्यमों में सबसे महत्वपूर्ण होती है संचार की भाषा। भारत में हिंदी का प्रचार एवं प्रसार वैश्विक स्तर साहित्य के माध्यम से जितना हुआ है उससे कई गुना ज्यादा डिजिटल उपकरणों के माध्यमों ने किया है । आधुनिक युग सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का युग है। (डॉ. आरिफ महात, २०१४) शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है I परंपरागत शिक्षण केंद्र शिक्षण पद्धति के स्थान पर अब डिजिटल उपकरणों पर आधारित शिक्षण अधिगम प्रक्रिया आने महत्वपूर्ण स्थान ग्रहण कर लिया है। हिंदी शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल उपकरणों का प्रयोग भाषा को रोचक सरल और प्रभावशाली बनाने में सहायक सिद्ध हो रहा है । 'आज स्मार्टफोन,मोबाइल एप,दीक्षा, ई-पाठशाला,स्वयंप्रभा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और डिजिटल सामग्री के माध्यम से हिंदी भाषा साहित्य और व्याकरण का अध्ययन अधिक सहज हो गया है' (डॉ. आरिफ महात, २०१४) । डिजिटल उपकरणों द्वारा श्रवण ,दृश्य और सहभागिता पूर्ण शिक्षक क्षेत्र संभव हुआ है । जिससे विद्यार्थियों के पठन,लेखन,श्रवण और वाचन कौशल का संतुलित विकास होता है । इसके साथ ही डिजिटल उपकरणों ने शिक्षा को समावेशी और सुलभ बनाया है आदिवासी दुरदराज और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी भी अब गुणवत्तापूर्ण हिंदी शिक्षा प्राप्त कर पा रहे हैं। इस प्रकार हिंदी शिक्षा में डिजिटल उपकरणों का प्रयोग न केवल समय की मांग है बल्कि यह शिक्षक को आधुनिक,प्रभावि और विद्यार्थी केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है।

आज के इस आधुनिक युग में डिजिटल उपकरण हिंदी शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं । उनमें स्वयंप्रभा, ई-पाठशाला, दीक्षा, Duolingo डिजिटल उपकरण, स्मार्ट बोर्ड आदी है। इनका विश्लेषण क्रमशः निम्नलिखित स्पष्ट है।

१. स्वयंप्रभा:

स्वयं प्रभा भारत सरकार के एक प्रमुख डिजिटल उपकरण पहल है । जिसका उद्देश्य शिक्षा को सभी विद्यार्थियों तक और लोगों तक पहुंचाना और उसे सरल,

रोचक व सुलभ बनाना है। विशेष रूप से हिंदी शिक्षा में यह उपकरण विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। स्वयंप्रभा इस डिजिटल उपकरण का प्रयोग हिंदी भाषा में, हिंदी शिक्षा में ,हिंदी पाठ्यक्रम के व्हीडियो और व्याख्यान दिखाना। कविता, कहानी और नाटक के ऑडियो,व्हीडियो सामग्री से पाठ रोचक बनाना। व्याकरण और शब्दावली को समझने के लिए चार्ट और उदाहरण का प्रयोग स्वयंप्रभा के द्वारा किया जाता हैं। स्वअध्ययन में विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार हिंदी का अध्ययन कर सकते हैं पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त अभ्यास और क्विज से सीखने की प्रक्रिया सुदृढ़ होती हैं।

स्वयंप्रभा के मध्यम से शिक्षक प्रशिक्षण लिया जाता हैं। हिंदी शिक्षकों के लिए नई शिक्षण विधियां और पाठ योजना उस पर उपलब्ध हैं। ऑनलाइन प्रशिक्षण और प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के लिए भी यह उपकरण उपयोगी हैं।

हिंदी शिक्षा में स्वयंप्रभा डिजिटल उपकरण का हिंदी विद्यार्थियों के लिए और शिक्षकों के लिए बहुत उपयोगी साधन हैं। हिंदी भाषा और साहित्य का प्रसार करने के लिए भाषा, व्याकरण, कविता,कहानी और नाटक का डिजिटल माध्यम से अध्ययन करने के लिए सुलभ और समावेशी शिक्षा के लिए सुविधा उपलब्ध हैं। ग्रामीण और दुरुस्त क्षेत्र में भी हिंदी शिक्षा उपलब्ध हैं। गुणोत्तर पूर्ण शैक्षिक सामग्री यहां पर मिलती हैं। एनसीईआरटी, यूजीसी और विश्वविद्यालय द्वारा तैयार व्याख्यान मिलते हैं। स्वाध्याय और आत्मनिर्भर सीखने को प्रोत्साहन मिलता हैं। विद्यार्थी अपनी गति और समय के अनुसार अध्ययन कर सकते हैं। कक्षा शिक्षण में सामग्री,मूल्यांकन और प्रशिक्षण की सुविधा भी उपलब्ध हैं।

हिंदी शिक्षा में स्वयंप्रभा का प्रमुख कार्य:

हिंदी भाषा का प्रचार और प्रसार करने के लिए महत्वपूर्ण है स्वयं प्रभा के माध्यम से हिंदी भाषा हिंदी साहित्य हिंदी व्याकरण और भाषा विज्ञान, अनुवाद,हिंदी पत्रकारिता से जुड़े शैक्षिक उपक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

दुरुस्त और ग्रामीण क्षेत्रों तक हिंदी भाषा पहुंचने के लिए स्वयं प्रभा का उपयोग है जैसे जहां इंटरनेट सुविधा सीमित है वहां डीटीएच (Direct to Home) चैनल के माध्यम से हिंदी शिक्षण सामग्री अभ्यास विद्यार्थियों तक पहुंचाई जाती हैं।

गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध है जैसे विश्वविद्यालय IIT (Indian institute of technology) , UGC (University grand commission) NCERT (National council of educational research and training) जैसे संस्थानों द्वारा तैयार किए गए हिंदी माध्यम के व्याख्यान उपलब्ध कराए जाते हैं।

शिक्षक प्रशिक्षण में भी सहयोग होता है जैसे हिंदी शिक्षकों के लिए नवीन शिक्षण विधियां पाठ्यक्रम आधारित व्याख्यान और शिक्षण कौशल विकास कार्यक्रम दिखाए जाते हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायता होती है जैसे NET, TET,UPSC स्पर्धा परीक्षाओं की तैयारी के लिए हिंदी माध्यम में उपयोगी विषय वस्तु स्वयं प्रभाव डिजिटल उपकरण में उपलब्ध हैं।

स्वअध्ययन को बढ़ावा मिलता है विद्यार्थी अपनी सुविधा अनुसार टीवी चैनलों के माध्यम से हिंदी विषय का अध्ययन कर सकते हैं।

शैक्षिक समानता मिलती है - आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों को भी हिंदी शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध हैं।

२. ई- पाठशाला:

ई - पाठशाला भारत सरकार एवं एनसीईआरटी का एक महत्वपूर्ण डिजिटल उपकरण हैं जिसका उद्देश्य

विद्यार्थियों और शिक्षकों को निशुल्क,गुणवत्ता पूर्ण और डिजिटल शिक्षण सामग्री प्रदान करना हैं। हिंदी शिक्षा के क्षेत्र में ई-पाठशाला विशेष रूप से उपयोगी हैं।

ई-पाठशाला एक वेबसाइट और मोबाइल एप दोनों रूपों में उपलब्ध हैं। इसमें कक्षा पहली से 12वीं तक की पाठ्यपुस्तके और सहायक सामग्री उपलब्ध हैं । ई-पाठशाला की सामग्री हिंदी,अंग्रेजी और अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराई गई हैं। विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार हिंदी का अध्ययन कर सकते हैं। पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त अभ्यास प्रश्न, क्विझ और परस्पर बातचीत गतिविधियां भी उपलब्ध हैं । बार-बार पुनरावृत्ति और अभ्यास की सुविधा उपलब्ध हैं।

शिक्षक प्रशिक्षण में प्रयोग होता हैं - जैसे हिंदी शिक्षकों के लिए पाठ योजना, शिक्षण विधियां और प्रशिक्षण सामग्री के लिए उपयोगी होता हैं । डिजिटल माध्यम के द्वारा शिक्षकों को कौशल विकास का अवसर प्राप्त होता हैं। हिंदी भाषा और साहित्य का विकास करने के लिए साथ ही पाठ्यपुस्तकी कहानी,कविता,व्याकरण और अन्य साहित्य सामग्री उपलब्ध होती हैं और चित्र ,चार्ट का प्रयोग इसके द्वारा किया जा सकता है । सुलभ और समावेशी शिक्षा का लाभ संभव हैं । ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्र के विद्यार्थियों तक शिक्षा का लाभ मिलता हैं । गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री भी उपलब्ध हैं । एनसीईआरटी और अन्य संस्थाओं द्वारा प्रमाणित डिजिटल सामग्री उपलब्ध हैं। स्वध्ययन और आत्मनिर्भर शिक्षा का लाभ मिलता हैं। विद्यार्थी अपनी गति से सीख सकते हैं और अभ्यास कर सकते हैं। शिक्षक और विद्यार्थियों के लिए सहायक होता हैं । ई- पाठशाला का उपयोग विद्यार्थीयोंको स्वअध्ययन में करणे के लिए होता हैं।

हिंदी शिक्षा में ई-पाठशाला के प्रमुख कार्य:

हिंदी पाठ्यपुस्तकोकी उपलब्धता: एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित हिंदी की पाठ्यपुस्तक के उपलब्ध है जैसे वसंत,दूर्वा, आरोह,क्षितिज,कृतिका,डिजिटल रूप में निशुल्क उपलब्ध हैं।

सहायक अध्ययन सामग्री: हिंदी विषय से संबंधित ऑडियो,व्हिडीओ सामग्री, अभ्यास प्रश्न, चित्रात्मक सामग्री स्पष्टीकरण सहित पाठ उपलब्ध कराई जाती हैं।

स्व अध्ययन को बढ़ावा: विद्यार्थी अपने समय और सुविधा के अनुसार हिंदी का अध्ययन कर सकते हैं जिससे आत्मनिर्भर होने की आदत विकसित होती हैं।

शिक्षकों के लिए उपयोगी: शिक्षक हिंदी विषय का शिक्षण, पाठ योजना बनाने के लिए ई पाठशाला का उपयोग करता हैं । साथ ही साथ अध्यापन में डिजिटल सामग्री जोड़ने रोचक शिक्षण विधियां अपने में यह पाठशाला का उपयोग कर सकते हैं।

दूरस्थ शिक्षा में सहायक: ग्रामीण, दुरदराज और आदिवासी क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी हिंदी की शैक्षिक सामग्री उपलब्ध होती हैं।

३.दीक्षा:दीक्षा-(DIKSHA)-Digital Infrastructure for Knowledge Sharing):

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा विकसित एक राष्ट्रीय डिजिटल मंच के रूप में दीक्षा की पहचान हैं। इसका उद्देश्य शिक्षकों,विद्यार्थियों और शैक्षिक संस्थानों को डिजिटल शिक्षण अधिगम सामग्री उपलब्ध कराना हैं। हिंदी शिक्षा के क्षेत्र में दीक्षा एक अत्यंत प्रभावी डिजिटल उपकरण हैं।

हिंदी शिक्षा में दीक्षा का उपयोग निम्नलिखित होता है -

विद्यार्थियों के लिए: हिंदी विषय की डिजिटल पाठ्य सामग्री का अध्ययन करना, व्हिडियो, ऑडियो ,क्विज, परस्पर बातचीत,पाठों से सीखना आदि सुविधा उपलब्ध हैं I पाठ्य पुस्तकों के कोड स्कैन कर अतिरिक्त सामग्री प्राप्त की जाती हैं I

शिक्षकों के लिए उपयोगी: हिंदी विषय के शिक्षण सामग्री डाउनलोड और प्रस्तुत करने के लिए पाठ योजना, लेसन प्लान बनाने के लिए ,ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम बनाने के लिए उपयोगी हैं।

४.Duolingo डिजिटल उपकरण:

Duolingo एक लोकप्रिय डिजिटल भाषा अधिगम ऐप हैं । जो खेल आधारित (game based learning) पद्धति से भाषा सीखता हैं। हिंदी शिक्षा के क्षेत्र में यह विशेष रूप से हिंदी की द्वितीय विदेशी भाषा के रूप में सीखाने में उपयोगी है।

हिंदी शिक्षा में Duolingo का उपयोग -

विद्यार्थियों के लिए उपयोगी उपकरण:

हिंदी वर्णमाला शब्दावली और वाक्य संरचना सीखने के लिए उपयोगी माध्यम हैं।

उच्चारण अभ्यास के लिए इसका उपयोग होता हैं।

दैनिक अभ्यास द्वारा भाषा कौशल में निरंतर सुधार होता हैं।

शिक्षकों के लिए:

सहायक डिजिटल उपकरण के रूप में प्रयोग होता हैं। भाषा अभ्यास के लिए,अतिरिक्त कार्य करने के लिए, हिंदी भाषा का अभ्यास करने के लिए, वाक्य निर्माण के लिए उपयोगी हैं। अनुवाद अभ्यासऔर स्वअध्ययन करने के लिए इसका प्रयोग होता हैं। विद्यार्थी अपने समय के अनुसार हिंदी का अभ्यास कर सकते हैं । कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त अभ्यास की सुविधा, ऑनलाइन और दुरुस्त शिक्षा में प्रयोग होता हैं। मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से कहीं भी सीखने की सुविधा हैं।

हिंदी शिक्षा में Duolingo का प्रमुख कार्य:

पठन,लेखन,श्रवण,वाचन रुचि और प्रेरणा बढ़ाना, निरंतर अभ्यास की आदत लगती है छोटे छोटे पाठो से नियमित अभ्यास संभव होता हैं। वैश्विक स्तर पर हिंदी का प्रसार होता हैं। विदेशी शिक्षार्थियों में हिंदी सीखने के रुचि विकसित करने में उपयोगी हैं।

५.स्मार्ट बोर्ड:

स्मार्ट बोर्ड (Interactive White Board) एक आधुनिक डिजिटल शिक्षण उपकरण हैं । जो कंप्यूटर,प्रोजेक्टर और टच टेक्नोलॉजी के माध्यम से शिक्षक को दृश्य- श्रव्य और सहभागिता पूर्ण बनाता हैं। हिंदी शिक्षा में इसका प्रयोग अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुआ हैं।

हिंदी शिक्षा में स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग निम्नलिखित होता है-

शिक्षकों के लिए - हिंदी पाठ्यपुस्तकों के पाठ डिजिटल रूप में प्रस्तुत करना जैसे व्हिडियो,ऑडियो,चित्र और प्रस्तुति(PPT) के माध्यम से अध्यापन करने के लिये उपयोगी होता हैं।

विद्यार्थियों के लिए भी स्मार्ट बोर्ड का उपयोग होता हैं । विद्यार्थी पाठ में सक्रिय सहभागिता दर्शाते हैं ,बॉर्डर पर आकर, शब्द निर्माण, वाक्य रचना और अभ्यास करने के लिए स्मार्ट बोर्ड का उपयोग करते हैं । कविता, कहानी शिक्षण में प्रयोग होता हैं। कविता का भाव,लय और उच्चारण ऑडियो,व्हिडियो से समझाना साथ ही कहानी की कथावस्तु इसके द्वारा प्रस्तुत की जा सकती हैं। कहानी की कथावस्तु चित्र और एनीमेशन द्वारा स्पष्ट करने के लिए स्मार्ट

बोर्ड का उपयोग होता हैं। व्याकरण शिक्षण में प्रयोग संधि, समास, वाक्य रचना को चार्ट का आधार लेकर समझाना। भाषा कौशल विकास में प्रयोग, पठन और लेखन के लिए परस्पर बातचीत गतिविधियों के लिए स्मार्टबोर्ड का उपयोग होता हैं।

निष्कर्ष:

हिंदी शिक्षा को स्वयंप्रभा, ई पाठशाला,दीक्षा, Duolingo, स्मार्ट बोर्ड आदि डिजिटल उपकरण सशक्त, सुलभ, समावेशी, आधुनिक, रोचक और प्रभावशाली बनता है यह विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों के लिए सहज सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराता है। साथ ही विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए भी एक प्रभावी शैक्षणिक माध्यम हैं। Duolingo हिंदी शिक्षा में एक पूरक और अभ्यासात्मक डिजिटल उपकरण हैं। यह विशेष रूप से प्रथम ,द्वितीय भाषा शिक्षण में अत्यंत उपयोगी हैं परंतु इसे औपचारिक हिंदी शिक्षा के साथ जोड़कर प्रयोग करना अधिक प्रभावित होता हैं। स्मार्ट बोर्ड हिंदी शिक्षा को आधुनिक प्रभावी और सहभागिता पूर्ण बनाता हैं। यह भाषा और साहित्य शिक्षण में विद्यार्थियों की समझ,रुचि और भाषा कौशल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं।

संदर्भ ग्रंथ:

१) मीडिया: हिंदी और पत्रकारिता – डॉ. आरिफ महात, डॉ. रशीद तहसीलदार (पृ.क्र.६२-६३)
२) मीडिया और साहित्य : डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह – डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह (पृ.क्र. ७४-७९)